Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 25-07-2006

Participants : Singh Ch. Lal

an>

Title : Regarding condition of security personnel deployed in VDC's and SPO's in Jammu and Kashmir and other parts of the country.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर) : आप की इजाजत से मैं एक बहुत इंपार्टेंट मसला कई बार पार्लियामेंट में डिस्कस कर चुका हूं और यह मेरी खुशनसीबी है कि होम मिनिस्टर साहब यहां बैठे हुए हैं, यह इन्हीं से कंसर्न है। माननीय मंत्री जी ने कहा था कि एसपीओज और बीडीसी का मसला वे शार्ट आउट करेंगे। उस बात के बाद यह तीसरा सैशन है, तो मैं उनको याद दिलाना चाहता हूं कि जिन्होंने स्टेट जम्मू-कश्मीर की अखंडता, एकता और खासकर नार्मेसी बहाल रखने के लिए बीडीसी और एसपीओज ने जो रोल अदा किया है, वह सराहनीय है। जितने उग्रवादी और मिलिटेंट्स इन लोगों ने मारे हैं और जितना नुकसान इन फेमिलीज को हुआ है, उनके बारे में मैं कहना चाहता हूं कि एक तो ये लोग न तो परमानेंट हुए ओर न ही इन लोगों की कोई पक्की तनख्वाहें हैं और न इनके पास किसी किस्म के हथियार हैं और न कनेक्टिविटी के लिए वायरलेस सेट्स हैं और न इनकी कोई यूनीफार्म हैं, जबकि यह फैसला हुआ था कि ऐज ए कांस्टेबल इनको रखा जाएगा। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि इस मसले को सीरियसली देखने की जरूरत है। जितना वे डिस्करेज हो रहे हैं और मुकाबला कर रहे हैं, मैं समझता हूं कि उनको ही मजबूत नहीं करना है, बल्कि कंट्री और स्टेट को मजबूती देने का मकसद है। इसलिए मेरा सबमिशन है कि बीडीसी और एसपीओज की जो तनख्वाहें कई सालों से नहीं मिली हैं और न अभी तक वे पक्के हुए हैं, मेरी रिक्वेस्ट है कि उनके बारे में जैसा कि आपने कहा था कि आप कुछ तय करेंगे। आप उस पर विचार करें।